दैनिक
CIN-No-UT4999RJ2020PTC0679
UN NO-200022186
राजस्थान,दिल्ली,छत्तीसगढ़ से एकसाथ प्रकाशित
RNI NO. RAJHIN/2023/89729

मरुधर विशेष

Marudharvishesh@gmail.com
मो. 9653906665
अंक 02/82 | जयपुर | 11 अप्रैल /2025 | शुक्रवार | मूल्य रु. 5 | पृष्ठ : 04

केन्द्र ने प्रदेश को दी विशेष सौगातें, मुख्यमंत्री ने पीएम मोदी का जताया आभार

राजस्थान में रेल एवं सड़क तंत्र होगा सुदृढ़, विकास को मिलेगी नई गति

राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा खंड से सड़क निर्माण के लिए 394.03 करोड़ स्वीकृत

जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क एवं रेल कनेक्टिविटी को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा दी गई स्वीकृतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। केन्द्र सरकार द्वारा दी गई इन विशेष सौगातों से प्रदेश में रेल एवं सड़क तंत्र सुदृढ़ होगा तथा आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में 394.03 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा (लंबाई 7.95 किमी, पैकेज-2) खंड से पेव्ड शोल्डर एलिवेटेड संरचना के साथ 2-लेन के निर्माण की स्वीकृति दी है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-58 के जंक्शन से लाडनू में शुरू होकर जस्सा खेड़ा तक जाता है। इस खंड के विकास के बाद भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ की यात्रा 38 किमी कम हो जाएगी तथा इससे बर और पिपलिया कलां औद्योगिक पार्क से कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।

रामदेवरा से पोकरण के बीच भैरव गुफा एवं कैलाश टेकरी होकर नई रेल लाइन स्वीकृत

केन्द्र सरकार की ओर से प्रदेश में रामदेवरा से पोकरण के बीच भैरव गुफा एवं कैलाश टेकरी होकर नई रेल लाइन की स्वीकृति मिली है। इससे बीकानेर और जोधपुर से जैसलमेर की रेल यात्रा में लगभग 45 मिनट की बचत होगी। यह रेल लाइन 100 प्रतिशत विद्युतीकृत होगी।

गर्मी को देखते हुए सरकार का बड़ा फैसला, अब 8 नहीं 7 घंटे करें काम, अगले हफ्ते फिर लू चलने की संभावना

जयपुर ।

राजस्थान में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए ग्रामीण विकास विभाग ने लिया अहम फैसला है। इसके तहत अब महात्मा गांधी नरेगा श्रमिकों के 8 घंटे की कार्य अवधि में 1 घंटे का विश्राम अनिवार्य कर दिया गया है। वहीं, विश्राम नहीं देने की स्थिति में सिर्फ 7 घंटे काम करवाया जा सकता है। इसके साथ-साथ समय से पहले टास्क पूरा होने पर श्रमिकों के ग्रुप को कार्य स्थल छोड़कर जाने की सशर्त अनुमति भी दी गई। नए नियम के अनुसार, समूह प्रमुख के साइन के बाद कार्य स्थल छोड़ा जा सकता है। एसीएस श्रेया गुहा ने गुरुवार को आदेश जारी कर सभी जिलों के कलेक्टर को ये निर्देश भेज दिए हैं।

राजस्थान में आज बारिश की संभावना

राजस्थान में नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहा है, जिसकी वजह से पश्चिमि और उत्तरी जिलों के कुछ हिस्सों में आज और कल बारिश की संभावना है इससे तापमान में 4 से 6 डिग्री की गिरावट आएगी और लोगों को लू से कुछ राहत मिलेगी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के जयपुर केंद्र ने प्रदेश के 9 जिलों में येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। साथ ही लोगों को बिजली गिरने के दौरान सतर्क रहने की भी सलाह दी गई है। इससे पहले दिन में तेज गर्मी रही और अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया हालांकि बुधवार शाम से शुरू हुई बारिश से कुछ राहत मिलने लगी।

अगले हफ्ते फिर लू चलने की संभावना

आईएमडी के मुताबिक, बुधवार को राजस्थान के पिलानी में 44.9 डिग्री सेल्सियस, फलौदी और चूरू में क्रमशः 43.8 डिग्री सेल्सियस और 43.5 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। जबकि बीकानेर और जयपुर में अधिकतम तापमान क्रमशः 43.4 डिग्री सेल्सियस और 43 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा इनमें से कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से छह से आठ डिग्री अधिक रहा। मौसम विभाग ने अगले सप्ताह फिर लू चलने की आशंका जताई है।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष बोले-निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी मन से हमारे साथ

भीलवाड़ा

भीलवाड़ा के निर्दलीय विधायक अशोक कोठारी की भाजपा की सदस्यता के सवाल पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौर ने कहा कि कोई भी विधायक अपने कार्यकाल तक निर्दलीय ही रहता है। वे (अशोक कोठारी) मन से हमारे साथ हैं लेकिन कार्यकाल तक हमारी पार्टी के सदस्य नहीं बन सकते।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ आज गुरुवार को त्रिवेणी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने से पूर्व अल्प प्रवास पर भीलवाड़ा भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे थे।

पार्टी अपनी नीति और संविधान से चलती है

यहां मीडिया से बातचीत के दौरान मदन राठौड़ बोले- पार्टी अपनी रीति-नीति और संविधान से चलती है। पार्टी अपनी व्यवस्था से चलती है। पार्टी का अनुशासन सर्वोपरि है। हम सभी उसके हिसाब से चलते हैं। यह हमने स्पष्ट कहा है कि हम हमारी व्यवस्था से चलेंगे, पार्टी के संविधान से चलेंगे, पार्टी की व्यवस्था से चलेंगे। निर्देश की पालना होगी और हमारे कार्यकर्ताओं का सम्मान होगा।

निकाय चुनाव को लेकर राठौड़ ने कहा- हम सभी चुनाव जीतेंगे। भीलवाड़ा में तो हमने साबित कर दिया है। सभी विधायक भाजपा के हैं। आने वाले पंचायती राज एवं निकाय चुनावों में भी भाजपा का वर्चस्व बना रहेगा। कांग्रेस को पैर जमाने का मौका भी नहीं देना है।

कांग्रेस का खाता नहीं खुलने दिया

राठौड़ ने भाजपा जिला संगठन को बधाई देते हुए कहा- विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जिले में कांग्रेस का खाता तक नहीं खुलने दिया, यह बड़ी बात है। संगठन पर्व के दौरान जिले में जिन्हें सदस्य बनाया गया वे सब किस प्रकार सक्रिय बने रहें, इस दिशा में प्रयास करें।

पेयजल समीक्षा के लिए मुख्यमंत्री ने ली मैराथन बैठक : 15 मई से पहले हर हाल में पूरे करें पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण के सभी कार्य

गर्मी में जनता को पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदारों की खैर नहीं : भजनलाल शर्मा

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने तापमान में अचानक हुई बढ़ोतरी के बाद पेयजल की मांग और उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार दोपहर मुख्यमंत्री निवास पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों के साथ लंबी बैठक की। मुख्यमंत्री ने बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्मी में जनता को अगर पानी के लिए परेशान होना पड़ा, तो जिम्मेदार अफसरों की खैर नहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ी है, ऐसे में आमजन को बढ़ी हुई मांग के अनुसार पर्याप्त पेयजल मुहैया करवाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी जिला कलक्टर्स कंटीन्जेंसी प्लान के अनुसार पेयजल प्रबंधन स्वयं की देखरेख में सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शहरी के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी पानी की किसी तरह की किल्लत नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने बैठक में कहा कि अंतिम छोर के उपभोक्ताओं को भी पेयजल की कोई दिक्कत नहीं रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पीएचईडी के फील्ड अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यालय पर उपस्थित रहें और बिना सक्षम अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ें।

तेजी से पूरे करें नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने के काम

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए नए हैण्डपम्प, नलकूप लगाने, पुराने हैण्डपम्प, नलकूपों की मरम्मत, पाइपलाइनों को दुरस्त करने सहित पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ीकरण के सभी कार्य 15 मई से पहले हर हाल में पूरे किए जाएं। उन्होंने कहा कि पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिला कलक्टरों को एक-एक करोड़ रुपए का अनटाइड फंड उपलब्ध करवाया गया है। अधिकांश जिलों में इस फंड का उपयोग करते हुए स्वीकृतियां जारी कर कार्य शुरू कर दिये गए हैं। उन्होंने शेष जिलों के जिला कलक्टरों को भी स्वीकृतियां शीघ्र जारी कर कार्य दी गई समयसीमा में पूरा करवाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 मई से पहले गत वर्ष बजट में स्वीकृत सभी हैंडपम्प और नलकूपों को चालू कर दिया जाए तथा इस बजट में स्वीकृत किए गए 1000 नए नलकूप और 2500 नए हैण्डपम्प की वित्तीय स्वीकृति भी जल्द जारी कर कार्य शीघ्र शुरू किया जाए। बैठक में बताया गया कि गर्मी के मौसम को देखते हुए अप्रैल माह में 2 लाख 35 हजार से अधिक हैण्डपम्पों की मरम्मत की गई है। गत वर्ष बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 5 नलकूप और 10 हैण्डपम्प स्वीकृत किए गए थे। इनमें से 800 से अधिक नलकूप और 1400 हैण्डपम्प इस माह के अंत तक क्रियाशील हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में गर्मी के दौरान पेयजल आपूर्ति की सुचारू व्यवस्था के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 142 करोड़ रुपए के 1244 कार्य और शहरी क्षेत्रों में 68 करोड़ रुपए के 153 कार्य स्वीकृत कर जरूरत के अनुसार नलकूपों की गहराई बढ़ाने, पाइप लाइन डालने और बदलने तथा पम्पसेट आदि की मरम्मत के काम करवाए जा रहे हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य अभी तक भी प्रारम्भ नहीं हुए हैं, वे 10 दिन के भीतर शुरू कर आगामी 15 मई से पहले पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जुलाई तक गर्मी के पीक सीजन में टैंकरों से पेयजल की मांग पूरी करने के लिए ग्रामीण क्षेत्र में 82 करोड़ और शहरी क्षेत्र में 25 करोड़ रुपए की स्वीकृति जारी कर दी गई है।

कंट्रोल रूम नम्बरों का करें व्यापक प्रचार-प्रसार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएचईडी अधिकारी बिजली विभाग के अधिकारियों से समन्वय बना कर रखें ताकि पीक लोड के कारण बिजली ट्रिपिंग, फॉल्ट आदि की स्थिति में भी नलकूपों की विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं हो। उन्होंने कहा कि पेयजल संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए राज्य स्तर एवं जिला स्तर पर स्थापित कंट्रोल रूम्स के नम्बरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कर इन पर आने वाली शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध निस्तारण किया जाए।

नहरबंदी के दौरान रखें जल भंडारण की पूरी व्यवस्था

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान के जिलों में नहरबंदी के दौरान भी पेयजल की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी, इसके लिए उन्होंने स्वयं हनुमानगढ़ और गंगानगर के दौरे के दौरान अधिकारियों से चर्चा कर स्थिति की समीक्षा की है। पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखने के लिए नहरबंदी के दौरान पहले माह में आंशिक क्लोजर ही रखा गया है और पेयजल के लिए पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। पूर्ण नहरबंदी के समय पेयजल आपूर्ति के लिए पीएचईडी अधिकारियों को जल भंडारण की पूरी व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

इसी माह जारी होंगे जेजेएम के 5 हजार वर्क ऑर्डर

मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार ने हमारे आग्रह पर जल जीवन मिशन की अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ा दी है। उन्होंने जल जीवन मिशन में शेष वर्क आर्डर शीघ्र जारी करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अप्रेल माह में 5 हजार करोड़ के कार्यादेश जारी कर जेजेएम के कार्यों को गति प्रदान की जाए। उन्होंने जल जीवन मिशन योजनाओं को सफलतापूर्वक चलाने के लिए संचालन एवं संधारण नीति शीघ्र जारी किये जाने के निर्देश प्रदान किये।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (पीएचईडी) भास्कर ए. सावंत ने बताया कि विभाग की वृहद परियोजनाओं में कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध तरीके से इनके कार्य करवाए जा रहे हैं। अक्टूबर 2025 तक 59 परियोजनाओं के लिए 44 हजार 889 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी जाएगी। इसके लिए फंड की व्यवस्था में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

ईद मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजनः विधायक नौक्षम चौधरी रही मुख्यातिथि

मरुधर विशेष

तालिम खान 7 पहाड़ी पहाड़ी क्षेत्र के कैथवाड़ा में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की तरफ से ईद मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कामां विधायक नौक्षम चौधरी ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की जहां विधायक नौक्षम चौधरी ने सभी को ईद मिलन समारोह की मुबारकबाद एंव शुभकामनाएं दी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष याक़ूब खान के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस दौरान विधायक नौक्षम चौधरी का नोमान खान सरपंच कैथवाड़ा द्वारा सोल तथा माला पहनाकर किया गया स्वागत सम्मान

विधायक नौक्षम चौधरी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा बृज मेवात को भाई चारा गंगा जमनी तहजीब के लिए जाना जाता है विधायक नौक्षम चौधरी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश मे ईद के त्योहार पर सौगाते मोदी कार्यक्रम चलाया गया था जिसमें करीब 35 लाख किट पूरे देश मे जरूरत मंदों को वितरण कराई गई है विधायक नौक्षम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिया धन्यवाद,इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हामीद खान मेवाती, शिवानी दायमा जिला अध्यक्ष, हंसिका गुर्जर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, याकूब खान अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष जनप्रतिनिधि नोमान खान, मोहन श्याम कैथवाड़ा मण्डल अध्यक्ष सहित भाजपा के अन्य नेता मौजूद रहे।

जवान बेटा-बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदी मां, तीनो की मौत

डेगाना (नागौर)। मां ने 22 साल के बेटे और 16 वर्षीय बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदकर सुसाइड कर लिया। मां और बेटे का सिर धड़ से अलग होकर ट्रैक पर गिर गया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मामला नागौर के डेगाना कस्बे में मकराना ट्रैक पर चांदारुण रेलवे फाटक के पास बुधवार देर रात हुआ। डेगाना थाना इंचार्ज हरीश कुमार सांखला ने बताया- पुलिस को मौके से आधार कार्ड और सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में महिला ने पति, देवर, ननद समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर पैसे और प्रॉपर्टी के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

टीवी, फ्रिज, स्मार्टफोन सस्ते हो सकते हैं

चीन-अमेरिका का ट्रेड वॉर : चीनी मैन्युफैक्चरर्स भारत को दे रहे 5 प्रतिशत डिस्काउंट

एजेंसी

नई दिल्ली। टैरिफ के कारण अमेरिका-चीन के बढ़ते ट्रेड वॉर के बीच कई चीनी इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को 5 प्रतिशत तक की छूट ऑफर कर रहे हैं।

ऐसे में इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरर्स मांग को बढ़ाने के लिए इस डिस्काउंट का कुछ हिस्सा कंज्यूमर को पास कर सकते हैं।

इस कदम से भारत में टीवी, फ्रिज, स्मार्टफोन जैसे कई इलेक्ट्रॉनिक्स सामान सस्ते हो सकते हैं। इसे लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की है।

चीनी मैन्युफैक्चरर्स को डिमांड कम होने की चिंता

विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रेड वॉर से अमेरिका में चीन से आने वाला सामान महंगा हो जाएगा, इससे डिमांड में कमी आ सकती है। डिमांड की कमी की चिंता चीनी कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरर्स पर दबाव बढ़ा रही है। ऐसे में डिमांड को बढ़ाने के लिए ये मैन्युफैक्चरर्स भारतीय कंपनियों को डिस्काउंट दे रहे हैं।

जल्द होंगे ग्रेड थर्ड टीचर्स के प्रमोशन व ट्रांसफर : दिलावर

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान में प्रमोशन का इंतजार कर रहे ग्रेड थर्ड टीचर का इंतजार जल्द पूरा होने वाला है। गुरुवार को राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने इसकी घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने लंबे समय से एक ही पद पर जमे अधिकारियों का ट्रांसफर करने की भी घोषणा की।

जयपुर में टीचर्स की बैठक को संबोधित करते हुए दिलावर ने कहा कि आपकी बहुत सारी मांगे हैं, जो मुझे पता है। आप निश्चित रहें। सबको शीघ्र ही पूरा कर दिया जाएगा। ग्रेड थर्ड के प्रमोशन भी जल्द किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि लंबे समय से एक ही पद पर जमे हुए अधिकारियों के ट्रांसफर भी जल्द होने वाले हैं। सरकार आप की सभी की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर रही है। हम आपको निराश नहीं करेंगे।

दरअसल, ग्रेड थर्ड कैटेगरी के टीचर्स के प्रमोशन का मामला पिछले 5 साल से अटका हुआ है। प्रदेशभर में साल 2020 - 21 से टीचर्स की डीपीसी पेंडिंग है। जिसकी वजह से ग्रेड थर्ड कैटेगरी के टीचर्स का प्रमोशन नहीं हो रहा है। पिछले 7 साल से ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हुए हैं। आखिरी बार साल 2018 में तबादले से बैन हटा था।

केन्द्र सरकार की प्रदेश को विशेष सौगातें, मुख्यमंत्री ने जताया आभार

प्रदेश में रेल एवं सड़क तंत्र होगा सुदृढ़, विकास को मिलेगी नई गति : भजनलाल

राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा खंड से सड़क निर्माण के लिए 394.03 करोड़ रुपये स्वीकृत

एजेंसी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में सड़क एवं रेल कनेक्टिविटी को उत्कृष्ट बनाने की दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा दी गई स्वीकृतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गड़करी एवं केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार में प्रदेश के विकास को नई गति मिल रही है। केन्द्र सरकार द्वारा दी गईइन विशेष सौगातों से प्रदेश में रेल एवं सड़क तंत्र सुदृढ होगा तथा आमजन को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी।

बर और पिपलिया कलां औद्योगिक पार्क से कनेक्टिविटी होगी बेहतर

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार ने राजस्थान में 394.03 करोड़ रुपये की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग-458 के रायपुर-जस्सा खेड़ा (लंबाई 7.95 किमी, पैकेज-2) खंड से पेव्ड शोल्डर एलिवेटेड संरचना के साथ 2-लेन के निर्माण की स्वीकृति दी है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच-58 के जंक्शन से लाडनू में शुरू होकर जस्सा खेड़ा तक जाता है। इस खंड के विकास के बाद भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ की यात्रा 38 किमी कम हो जाएगी तथा इससे बर और पिपलिया कलां औद्योगिक पार्क से कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी। इस परियोजना में टॉडगढ़-रावली वन्यजीव अभयारण्य में आने वाले 7.95 किमी खंड पर एलिवेटेड संरचना का निर्माण भी किया जाएगा।

प्रदेश को मिली नई रेल लाइन, 100 प्रतिशत होगी विद्युतीकृत

वहीं, केन्द्र सरकार की ओर से प्रदेश में रामदेवरा से पोकरण के बीच भैरव गुफा एवं कैलाश टेकरी होकर नई रेल लाइन की स्वीकृति मिली है। इससे बीकानेर और जोधपुर से जैसलमेर की रेल यात्रा में लगभग 45 मिनट की बचत होगी। यह रेल लाइन 100 प्रतिशत विद्युतीकृत होगी।

तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

उमेश चतुर्वेदी

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदयार्राजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फामूर्ला रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैंटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

संपादकीय

राज्यपाल पर लगाम

सर्वोच्च न्यायालयय ने तमिलनाडु. सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में जो फैसला दिया है, वह कई अर्थों में एक निर्णायक फैसला है जिसने तमिलनाडु. के वर्तमान राज्यपाल आर. एन. रवि की भूमिका को न केवल कड़ी आलोचना के घेरे में खड़ा किया, बल्कि उसे सीमित भी कर दिया। इस फैसले ने राज्यपालों द्वारा विशेषकर उन राज्यों में जहां केंद्र सरकार के विरोधी दलों की सरकारें हैं, सरकारों पर मनमानी तरीके से अपने अधिकारों द्वारा अंकुश लगाने के प्रयासों को लगभग समाप्त कर दिया है। राज्यपाल की भूमिका को सीमित तो कर दिया है, साथ ही उसे नियमबद्ध भी कर दिया है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि राज्यपाल संवैधानिक तरीके से जनता द्वारा चुनी गई सरकार के विधिवत पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के मामले में अनिश्चित अवधि तक लंबित नहीं रख सकते। अब आगे से कोई राज्यपाल किसी भी पारित विधेयक को एक महीने से अधिक अपने पास लंबित नहीं रख सकता। अगर यह विधेयक राज्यपाल के द्वारा वापस कर दिया जाता है, और पुर्नविचार के लिए पुनः उसके पास आता है तो वह उसे राष्ट्रपति को भी नहीं भेज सकते। राष्ट्रपति को वह पहली बार में ही भेज सकेंगे। अगर निश्चित अवधि के बाद भी कोई विधेयक लंबित रखा जाता है तो उसे स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। इस बिना पर अदालत ने तमिलनाडु. सरकार द्वारा पारित वे सभी विधेयक जिन्हें राज्यपाल ने अपने पास दबा रखा था, स्वीकृत मान लिए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से यह तो तय है कि अब कोई भी विधेयक राज्यपाल की मनमर्जी की जकड़बंदी की गिरफ्त में नहीं रहेगा। शीर्ष अदालत ने इस समुचित प्रक्रिया को समयबद्ध और सीमाबद्ध करके निश्चित तौर पर एक बड़ा काम किया है और इससे राज्यपाल तथा राज्य सरकारों के बीच उठने वाले विलंब संबंधी विवादों पर रोक लगेगी। लेकिन भविष्य में इस पर नजर रखनी होगी कि ऐसी सूरत में जब केंद्र में किसी और दल की सरकार हो और राज्य में किसी और दल की तो राज्य सरकारें अपने राजनीतिक मतभेदों के चलते इस नवनिर्धारित प्रक्रिया का दुरुपयोग न करें। केंद्र सरकार को भी यह ध्यान में रखना होगा कि राज्य पर नियंत्रण रखने के लिए राज्यपाल रूपी हथियार की मारक क्षमता बहुत सीमित कर दी गईहै। उसे भी राज्य के साथ अनावश्यक टकराव को टालना होगा अन्यथा सर्वोच्च न्यायालय का जो फैसला सराहनीय और स्वागतयोग्य लग रहा है, वह विपरीत परिणाम देने वाला सिद्ध न हो।

चिंतन-मनन

सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है।

सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है।

क्या कांग्रेस अधिवेशन से निकल आया जीत का मंत्र?

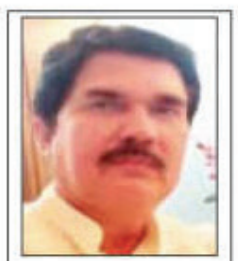

डॉ हिदायत अहमद खान

गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न हुआ कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन महज एक औपचारिक सभा नहीं थी, बल्कि इसे एक सियासी पुनर्जागरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। दशकों से गुजरात की सत्ता से बाहर कांग्रेस ने यहां से एक नई रणनीति, नई चेतना और शायद एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बयानों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि पार्टी अब आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में उतरने के मूड में है। दरअसल अधिवेशन की शुरूआत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की पारदर्शिता पर सवाल उठाए और बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग भी रखी। खड़गे कहते हैं कि सरकार ने एक ऐसी तकनीक अपनाई हुई है जिससे विपक्ष को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि 150 सीटों में से 138 सीटों पर बीजेपी की जीत संदिग्ध है। खड़गे ने यह कहकर सरकार पर आरोप ही नहीं लगाए बल्कि उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और देश के मतदाताओं में यह विश्वास पैदा करने की कोशिश की है, कि ईमानदार चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन संभव है। वहीं राहुल गांधी ने अपने सशक्त भाषण से अधिवेशन में जहां जान फूंकने का काम किया वहीं पार्टी से जुड़े लोगों को एक पार्टी विचारधारा के तहत एकजुट होकर मैदान में आने का आव्हान भी किया है। उन्होंने यहां वक्फ संशोधन कानून पर बीजेपी पर सीधा हमला बोला और इसे "फ्रीडम ऑफ रिलीजन" और संविधान पर हमला करार दिया है। साथ ही, उन्होंने गुजरात में कांग्रेस के भीतर व्याप्त गुटबाजी पर खुलकर बात की और यह स्वीकार किया कि पार्टी के कुछ नेता जनता से कटे हुए हैं या विरोधी दलों से मिले हुए हैं। पार्टी के शीर्ष नेताओं का यह आत्ममंथन इस बात की ओर इशारा करता है कि कांग्रेस अब संगठनात्मक शुद्धि की दिशा में भी कदम बढ़ा रही है। यह एक तरह से देर आयद दुरुस्त आयद को ही चरितार्थ करने जैसा है। इस पर दो दशक पहले ही विचार कर लिया जाना चाहिए था, तब शायद पार्टी को इतना ज्यादा नुक्सान भी नहीं हुआ होता। नेताओं की आपसी खींचतान और बेमानी रुतबे के कारण पार्टी रसातल पर पहुंच गई। पहले एक-एक कर कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले राज्य हाथ से जाते गए और फिर केंद्र में भी पकड़ ढीली हो गई। नतीजा यह हुआ कि पार्टी के साथ नेताओं का भी बर्चस्व जाता रहा और स्थानीय स्तर पर भी कांग्रेस का वो कद नहीं रहा जो पहले कभी हुआ करता था। इस स्थिति से पार्टी को उबारने के लिए राहुल गांधी और उनकी सीमित टीम जी-जान से लगी रही। यहां कहना गलत न होगा कि राहुल की मेहनत पर पानी फेरने का काम विरोधी सियासी पार्टियों और उनके नेताओं ने उतना नहीं किया जितना कि खुद कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं ने किया। बात अगर गुजरात राज्य की ही कर लें तो यहां कांग्रेस पिछले तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि गुजरात में युवाओं की एक ऐसी पौध तैयार हो चुकी है जिसे शायद यह भी न पता हो कि कांग्रेस की रीति-नीति और उसकी सरकार क्या और कैसे काम करती है। बहरहाल यह कहने की बात है, क्योंकि यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि गुजरात में कांग्रेस का लगभग 30 प्रतिशत वोट शेयर है, जो यह संकेत देता है कि पार्टी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पार्टी की नीति और रीति के प्रति जनता में लोकप्रियता बरकरार है। बस चुनाव के दौरान चाहने वालों और प्रशसंकों को वोट में कनवर्ट करने का जादू और फामूर्ला पार्टी नेताओं ने भुला दिया है। यह कम बात नहीं है कि राहुल गांधी ने गुजरात में कांग्रेस की कमजोरी को स्वीकारा है और यह भी कहा है कि अगर संगठन में 30-40 लोगों को हटाना पड़े तो वो इसके लिए तैयार हैं। यह बयान न सिर्फ कांग्रेस की नीयत को दिखाता है, बल्कि एक नई शुरूआत की मंशा भी जाहिर करता है। पिछले 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने गुजरात में एक सीट जीती और करीब 31 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। यह नतीजा भले ही मामूली हो, लेकिन कांग्रेस के लिए यह मनोवैज्ञानिक जीत थी, खासकर पिछले चुनाव में मिली करारी हार के बाद यह ऑक्सीजन जैसी प्रतीत हुई है। अब जबकि विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है, कांग्रेस को अकेले ही गुजरात में अपनी जमीन फिर से तैयार करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। वैसे भी पार्टी अधिवेशन के जरिए कांग्रेस ने एक बार फिर यह जतला दिया है कि वह गुजरात को हल्के में नहीं ले रही है। संगठन निर्माण, जनसंपर्क और आक्रामक राजनीति के जरिए वह बीजेपी को टक्कर देने की तैयारी कर रही है। हालांकि अभी बीजेपी गुजरात में बेहद मजबूत है, लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है। अगर कांग्रेस अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत कर पाती है, नए और प्रभावशाली नेताओं को उभारती है और जनता से सीधा संवाद कायम करती है, तो आने वाले वर्षों में वह फिर से राज्य की राजनीति में दमदार वापसी कर सकती है। अंततः इस अधिवेशन से कोई जादुई मंत्र तो निकलता हुआ नहीं दिखा, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने घर को सजाने-संवारने के साथ ही एक विचारधारा के सूत्र में पार्टी को पिरोने का जो काम शुरू किया है यही शायद जीत की पहली शर्त होती है।

मोदी का कथनः एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामेश्वरम में उल्लेखनीय बात कही, 'भगवान श्री राम की अयोध्या से रामेश्वरम तक उत्तर से दक्षिण की यात्रा ने भारत को सांस्कृतिक रूप से एक पहचान देते हुए देश को जोड़ने का काम किया।' वास्तव में राम, लक्ष्मण, सीता के वनगमन ने देश को न केवल सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का काम किया, बल्कि जो वनवासी थे, उन्हें भी एक सनातन समुदाय और एक संस्कृति से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया था। यही कार्य सतयुग में परशुराम ने उत्तर से पूर्वोत्तर और पूर्वोत्तर से दक्षिणी समुद्री तट केरल तक की यात्रा करके किया था। तत्पश्चात द्वापर युग में कृष्ण ने पांडवों के वनवास को सार्थकता देने के लिए देश को सांस्कृतिक एकरूपता में ढालने के लिए पूर्वोत्तर तक यात्रा कराई थी।

इस नाते कहा जा सकता है कि भारत की यही वे सांस्कृतिक यात्राएं थीं, जिनके चलते भारत आज भी सांस्कृतिक एकरूपता में ढला हुआ है। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथों में 'रामायण' जनमानस में सबसे ज्यादा लोकप्रिय ग्रंथ है। भारत के सामंत और वर्तमान संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र में राम के आदर्श मूल्य और रामराज्य की परिकल्पना प्रकट अथवा अप्रकट रूप में हमेशा मौजूद रही है। अतएव रामायणकालीन मुल्यों ने भारतीय जन-मानस को सबसे ज्यादा उद्वेलित किया है। इस जन-समुदाय में रामकथाओं में उल्लेखित वनवासी जातियां भी शामिल हैं, जिन्हें वानर, भालू, गिद्ध, गरुड़ भील, कोल, नाग इत्यादि कहा गया है। यह सौ प्रतिशत सच्चाई है कि ये लोग वन-पशु नहीं थे। इसके उलट वन-प्रांतों में रहने वाले ऐसे विलक्षण समुदाय थे, जिनकी निर्भरता प्रकृति पर अवलंबित थी। उस कालखंड में इनमें से अधिकांश समूह वृक्षों की शाखाओं, पर्वतों की गुफाओं या फिर पर्वत शिखरों की कंदराओं में रहते थे। ये अर्धनग्न अवस्था में रहते थे और रक्षा के लिए पत्थर और लकड़ियों का प्रयोग करते थे। इसलिए इन्हें जंगली प्राणी का संबोधन कथित सभ्य समाज करने लगा।

अलबत्ता, सच्चाई यह है कि राम को मिले चौदह वर्षीय वनवास के कठिन समय में जंगली मान लिए गए ये वनवासी समूह राम की वनवास यात्रा में सहयोगी नहीं बने होते तो आर्य राम का अनार्य रावण पर विजय पाना असंभव था। राम को वनगमन के बाद पहला साथ निषादराज गुह का मिलता है। इलाहाबाद के पास निषाद राज्य की सीमा शुरू होती है। निषाद को जब राम के आगमन की खबर मिलती है तो वे स्वयं राम की अगवानी के लिए पहुंचते हैं। हालांकि निषाद वनवासी नहीं हैं, लेकिन शूद्र माने जाने वाली जातियों के समूह में हैं, जिन्हें ढीमर, ढीबर, मछुआरा और बाथम कहा गया है। निषाद लोग शिल्पकार थे। उत्कृष्ट नावें और जहाजों के निर्माण में निपुण थे। निषाद के पास पांच सौ नौकाओं का बेड़ा उपलब्ध होने के साथ यथेष्ट सैन्य-शक्ति भी मौजूद थी। अतएव निषाद राज गुह ऐसे पहले व्यक्ति थे, जो राम को कौशल राज्य की सीमाओं के बाहर सुरक्षा का भरोसा देते हैं। हालांकि राम के आगे बढ़ते जाने के साथ उनसे अत्रि, वाल्मीकि, भारद्वाज, अगस्त्य, शरभंग, सुतीक्ष्ण, मांडकणि और मतंग ऋषि मिले। वनवासियों के बीच वन-खंडों में रहने वाले इन ऋषियों ने ही राम का मार्ग प्रशस्त किया। ऋषियों की वेधशालाएं, अग्निशालाएं और आश्रम थे, उन पर राक्षस तो आक्रमण करते हैं, लेकिन वनवासियों ने किसी ऋषि को कष्ट पहुंचाया हो ऐसा वाल्मीकि रामायण या अन्य रामायणों में उल्लेख नहीं मिलता।

पूर्वोत्तर के वर्तमान सातों राज्य पश्चिम बंगाल और असम के विभाजन के फलस्वरूप स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आए हैं। प्रागैतिहासिक काल के पन्नों को खंगालें तो पता चलता है कि भगवान परशुराम और कार्तवीर्य अर्जुन के बीच जो भीषण युद्ध हुआ था, उसके अंतिम आततायी को परशुराम ने अरु णाचल में जाकर मारा था। अंत में यहीं के 'लोहित क्षेत्र' में पहुंच कर ब्रह्मपुत्र नदी में अपना रक्त-रंजित फरसा धोया था। किंवदंती है कि लोहित कुंड़ में फरसा धोने के बाद से ही यहां का पानी आज भी लाल है। यहां कालांतर में स्मृति स्वरूप पांच कुंड बनाए गए, जिन्हें समंतपंचक रुधिर-कुंड कहा जाता है। ये कुंड आज भी अस्तित्व में हैं। इस क्षेत्र में यह दंतकथा भी प्रचलित है कि इन्हीं कुंडों में भृगुकुल भूषण परशुराम

ने युद्ध में मारे गए योद्धाओं का तर्पण किया था। परशुराम यही नहीं रु के, उन्होंने शूद्र और इस क्षेत्र की जो आदिम जनजातियां थीं, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके उन्हें ब्राह्मण बनाया और सामूहिक विवाह कराए। तत्पश्चात परशुराम केरल पहुंचे और वहां के कोंकण क्षेत्र में वनवासियों की मदद से समुद्र से धरती को बाहर निकाल कर खेती की शुरू आत कराई और जो अविवाहित युवा वनवासी थे, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके युद्ध में मारे गए योद्धाओं की विधवाओं से पाणिग्रहण कराया। पांडवों ने उत्तर से पूर्वोत्तर की यात्रा करके छोटी जातियों की स्त्रियों से अर्जुन और भीम ने अनेक विवाह किए और सनातन संस्कृति स्थापित की।

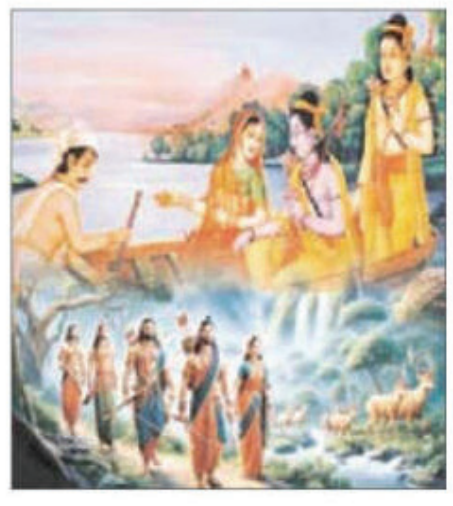

जवान बेटा-बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदी मां, सिर धड़ से अलग हुए

डेगाना

मां ने 22 साल के बेटे और 16 वर्षीय बेटी के साथ ट्रेन के आगे कूदकर सुसाइड कर लिया। मां और बेटे का सिर धड़ से अलग होकर ट्रैक पर गिर गया। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। मामला नागौर के डेगाना कस्बे में मकराना ट्रैक पर चांदारुण रेलवे फाटक के पास बुधवार देर रात हुआ। डेगाना थाना इंचार्ज हरीश कुमार सांखला ने बताया- पुलिस को मौके से आधार कार्ड और सुसाइड नोट मिला है। सुसाइड नोट में महिला ने पति, देवर, ननद समेत ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर पैसे और प्रॉपर्टी के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही कर्ज, ब्याज की समस्या, मकान, फ्लैट और गाड़ियों का भी जिक्र किया है। पुलिस अधिकारी हरीश कुमार सांखला ने बताया- चूरू के थिरपाली छोटी गांव निवासी शारदा बुडानिया (43) पत्नी विजयपाल, उनका बेटा निखिल (22) और बेटी अंशु (16) मालगाड़ी के सामने कूद गए थे। तीनों के शव ट्रैक पर बिखर गए थे। सूचना मिलने पर डेगाना जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को डेगाना उप जिला अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार- तीनों फिलहाल जयपुर शहर में रह रहे थे। पुलिस ने परिजन से संपर्क कर घटना की जानकारी दी। परिजन के डेगाना पहुंचने पर गुरुवार दोपहर पोस्टमॉर्टम के बाद शव सौंप दिए। पुलिस मामला दर्ज कर सुसाइड नोट के आधार पर जांच कर रही है।

सैलून संचालक सुसाइड नोट लिखकर फंदे पर लटका

कोटा

कोटा में सैलून संचालक ने अपनी दुकान पर फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घर नहीं लौटने पर पत्नी दुकान पर गई, तब घटना का पता चला। फंदे से उतारकर एमबीएस हॉस्पिटल लेकर गए, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जवाहर नगर थाना पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है- मैं अपनी मर्जी से सुसाइड कर रहा हूं, मुझे माफ कर देना। फिलहाल सुसाइड का कारण सामने नहीं आया है। जवाहर नगर थाना किशोरलाल ने बताया- सैलून संचालक मनीष वर्मा (35) अजमेर जिले का रहने वाला था। पिछले 13-14 साल कंसुआं इलाके में किराए से रह रहा था। तलवंडी इलाके में सैलून चलता था। युवक शाम 7 बजे तक दुकान से घर लौट जाता था। घर नहीं लौटने पर पत्नी दुकान पर गई तो चद्दर के टुकड़े से पंखे से फंदा बनाकर लटका मिला। भाई विशाल ने बताया- मनीष हर एकादशी पर परिवार सहित खाटू श्याम दर्शन के लिए जाते थे। दो दिन पहले भी पत्नी व दो बच्चों के साथ खाटू श्याम गए थे। खाटू श्याम से बुधवार को अपने पैतृक घर अजमेर गए। वहां परिवार से मिलकर वापस कोटा लौटे। कोटा लौटने पर शाम 7 बजे करीब मनीष अपने सैलून पर गया था। उसने पत्नी से 5 मिनट में वापस आने को कहा। काफी देर तक मनीष घर नहीं पहुंचा। पत्नी के दुकान जाने गई। सैलून की लाइट जली हुई थी। उसने पीछे के दरवाजे से देखा तो मनीष पंखे से फांसी पर लटका हुआ था। सूचना पर रिश्तेदार वहां पहुंचे और हॉस्पिटल लेकर गए, जहां मृत घोषित कर दिया। सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है- आई मिस यू, मुझे माफ कर देना, मैं अपनी मर्जी से सुसाइड कर रहा हूं। मनीष के दो बच्चे है। पत्नी भी सैलून संभालती है। मनीष का ससुराल कोटा के उद्योग नगर इलाके में है। उसने लव मैरिज की थी।

कॉन्स्टेबल से एक करोड़ की धोखाधड़ी, पुलिसकर्मी और टीचर पर आरोप

अजमेर

अजमेर की क्लॉक टावर थाना क्षेत्र में कॉन्स्टेबल से एक करोड़ की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ित ने पुलिस लाइन में तैनात अन्य कॉन्स्टेबल और एक टीचर पर पैसे हड़पने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने कोर्ट के जरिए थाने में मामला दर्ज करवाया है। कॉन्स्टेबल दीपक वैष्णव ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि अगस्त 2023 में कॉन्स्टेबल पवन कुमार उससे मिलने क्लॉक टावर थाने पर आया था। इसके बाद वह चाय की थड़ी पर बात करने गए थे। पवन ने हाईवे और मास्टर प्लान में इन्वेस्ट करने के लिए 2 करोड़ रुपए मांगे थे, जिसमें मुनाफा होने की बात कही थी। उस वक्त उसने बात को टाल दिया था। 2 दिन बाद पवन वापस उससे मिलने आया और कहा कि उसने एक करोड़ रुपए की व्यवस्था कर ली है। एक करोड़ रुपए की जरूरत है। पवन ने अपने टीचर भाई कुलदीप से बात करवाकर भरोसा दिलवाया था। इसके बाद उसे अलग-अलग ट्रांजैक्शन के जरिए एक करोड़ रुपए ट्रांसफर कर दिए थे। पैसे लेने के बाद आरोपी ने संपर्क करना बंद कर दिया। कुछ समय बाद उसे पैसे देने से मना कर दिया। पीड़ित ने बताया कि उसने इसकी शिकायत थाना प्रभारी और एसपी से भी की थी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने कोर्ट के जरिए मामला दर्ज करवाया है। क्लॉक टावर थाना पुलिस मामले में अनुसंधान कर रही है। सिविल लाइन थाने में 5 महीने पहले भी कॉन्स्टेबल पवन के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज हुआ था। उसमें भी अन्य पुलिस कर्मी ने कॉन्स्टेबल पर 15 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया था।

सीकर में विवाहिता ने किया सुसाइड, कमरे में चुन्नी से फंदा बनाकर लटकी

सीकर

सीकर के बलारां इलाके में महिला ने ससुराल में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां से महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लक्ष्मणगढ़ जिला हॉस्पिटल लाया गया। पीहर पक्ष ने ससुरालवालों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दी है। बलारां थानाधिकारी सब इंस्पेक्टर नेकीराम के अनुसार- मृतका का नाम हीना खत्री (26) पत्नी तालिब खत्री है, जो बलारां कस्बे के वार्ड 3 की निवासी थी। उसने अपने कमरे में चुन्नी से फंदा बनाकर पंखे से लटककर सुसाइड कर लिया। सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले में मृतका हीना के पिता हनीफ ने ससुराल के लोगों के खिलाफ दहेज हत्या की रिपोर्ट दी है। बलारां पुलिस के मुताबिक हीना और उसके पति तालिब के बीच पिछले लंबे समय से अनबन थी। मृतका हीना के तीन बेटियां है।

तम्बाकू मुक्ति परामर्श के लिये जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन

मरुधर विशेष

कोटपूतली, जिले में तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिये गुरूवार को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। सीएमएचओ डॉ. आशीष सिंह शेखावत ने बताया कि प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य भारत सरकार द्वारा निर्धारित गाईडलाईन के अनुरूप तम्बाकू मुक्ति उपचार एवं परामर्श सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के स्तर पर तम्बाकू उपभोगियों की पहचान कर उन्हें तम्बाकू छोडने के लिये तकनीकी सहायता एवं परामर्श प्रदान करना है। प्रशिक्षण में स्टेट से अति स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर नरेन्द्र सिंह ने सीएचओ को प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने बताया कि जिले में तम्बाकू मुक्ति परामर्श एवं उपचार सेवाओं के विस्तार के लिये समस्त आयुष्मान आरोग्य मन्दिर के स्तर पर तम्बाकू उपभोगियों को तम्बाकू छोडने के लिए प्रेरित किया जाना आवश्यक है। जिला चिकित्सालय कोटपूतली में प्रदान की जा रही तम्बाकू मुक्ति परामर्श एवं उपचार सेवाओं की समीक्षा भी की गई तथा सेवाओं मे आवश्यक सुधार हेतु निर्देशित करते हुये सभी प्रतिभागियों के समन्वित प्रयासों से तम्बाकू मुक्ति उपचार परामर्श केन्द्र पर अधिक से अधिक तम्बाकू उपभोगी मरीजों को रैफर करने हेतु निर्देशित किया गया। तम्बाकू मुक्ति उपचार केन्द्र को निर्देशित किया गया कि अस्पताल में ओपीडी में आने वाले तम्बाकू उपभोगी मरीजों की अधिक से अधिक काउंसिल करें। ताकि मरीजों को निकोटीन रिप्लेसमेंट थैरेपी माध्यम से प्रभावी चिकित्सकीय उपचार दिया जा सकें। डीएनओ रविकांत जॉगिड़ ने तम्बाकू मुक्ति उपचार परामर्श केन्द्र के तकनीकी बिन्दुओं को फोकस करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन की एम-पॉवर रणनीति की चर्चा की एवं प्रतिभागियों को तम्बाकू उपभोगी मरीजों की शारीरिक मानसिक व्याधियों को व्यावहारिक रूप से समाधान बताया। तम्बाकू उपभोगी मरीजों को वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय विधि से काउंसलिंग करते हुये तम्बाकू उत्पाद छोडने हेतु प्रेरित करें एवं नियमित रूप से मरीजों का फॉलोअप करें। भारत सरकार के ग्लोबल एडल्ट सर्वे 1 एवं ग्लोबल एडल्ट सर्वे 2 सर्वे के तहत तम्बाकू उपभोगी मरीजों को यथास्थिति डेटा के तुलनात्मक प्रदर्शन के माध्यम से बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से लोगों की मनोवृति में परिवर्तन आया है। साईकोलॉजिस्ट डॉ. संगीता जोधा ने प्रतिभागियों को विस्तार से तम्बाकू छोडने के लिए रोगियों का क्विट प्लान बनाये जाने तथा एनआरटी दवाईयों के उपयोग के विषय में जानकारी प्रदान की। एमआईएस अधिकारी सिमरन ने भारत एवं राज्य सरकार के तम्बाकू नियंत्रण कानूनों के बारे में बताया। कार्यशाला में मनोचिकित्सक द्वारा तम्बाकू मुक्ति के व्यवहारिक पहलूओं के सबंध में जानकारी दी गई। डीएनओ रविकांत जॉगिड़ द्वारा राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से जिले में टोबेको फ्री युथ केम्पेन के तहत आयोजित की गई गतिविधियों व उपलब्धियों के विषय में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया गया कि जिले की समस्त ग्राम पंचायतों द्वारा तम्बाकू निषेध के नियमों की पालना के सबंध में प्रस्ताव प्रारित किये गये है तथा विधालयों को तम्बाकू मुक्त बनाया जा रहा है।

भामाशाह राजाराम बोहरा की अनुकरणीय पहल, श्मशान के लिये आधा बीघा भूमि सरकार को समर्पित की

तहसीलदार रामधन गुर्जर को सौंपा समर्पणनामा

मरुधर विशेष

कोटपूतली, समीपवर्ती ग्राम अजीतपुरा खुर्द (फामड़ा की ढ़ाणी) निवासी भामाशाह राजाराम बोहरा ने अनुकरणीय पहल करते हुये अपने हिस्से की आधा बीघा खातेदारी भूमि श्मशान भूमि के लिये दान कर पुण्य का कार्य किया। उल्लेखनीय है कि गाँव में वर्षों से श्मशान भूमि की कमी एक बड़ी समस्या बनी हुई थी। जिससे अंतिम संस्कार जैसे महत्वपूर्ण कार्य में ग्रामीणों को बार-बार कठिनाईयों का सामना करना पड़ता था। हालांकि पूर्व में भी इस भूमि का उपयोग अनौपचारिक रुप से श्मशान के रूप में होता रहा है, लेकिन अब राजाराम बोहरा ने इस भूमि को विधिवत और आधिकारिक रुप से राज्य सरकार को समर्पित कर दिया है, ताकि इसे सभी जातियों के लिये स्थायी रुप से श्मशान भूमि घोषित किया जा सके। राजाराम बोहरा का यह योगदान ना केवल ग्रामीणों की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान करेगा, बल्कि यह समाज सेवा की भावना को भी एक नई दिशा देगा। उन्होंने तहसीलदार रामधन गुर्जर को समर्पणनामा सौंपा। तहसीलदार रामधन गुर्जर सहित अन्य अधिकारियों ने राजाराम बोहरा की इस समाजोपयोगी पहल की सराहना की और उनके परिवार को बधाई देते हुये कहा कि ऐसे कार्य दूसरों के लिये भी प्रेरणा स्रोत बनते हैं। गांव के लोगों ने भी भामाशाह परिवार का आभार जताया। सत्यवीर ने बताया कि गांव में आज तक सरकार या पंचायत की ओर से श्मशान भूमि चिन्हित नहीं की गई थी। अब जब यह भूमि औपचारिक रुप से समर्पित हो गई है तो पंचायत इसे रिकॉर्ड में दर्ज कर श्मशान के रुप में मान्यता दे सकती है। इस दौरान रामसिंह गुर्जर, नरेश फामड़ा, सत्यवीर फामड़ा, सचिन फामड़ा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

फूले दंपति ने भारतीय समाज को कुरीतियों से दूर कर मुख्य धारा में लाने का कार्य किया :- राधा पटेल

महात्मा ज्योतिबा फूले की 198 वीं जयंती पर 13 वाँ विशाल रक्तदान शिविर आयोजित, 92 यूनिट रक्त एकत्रित

मरुधर विशेष

कोटपूतली, महात्मा ज्योतिबा फूले की 198 वीं जयंती पर सैनी युवा टीम के तत्वाधान में कस्बे के डाबला रोड़ स्थित एक निजी मैरीज गार्डन में 13 वाँ विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित हुआ। इस मौके पर युवा कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढकर रक्तदान करते हुये कुल 92 यूनिट रक्त एकत्रित किया। शिविर का शुभारम्भ विधायक प्रतिनिधि राधा देवी पटेल ने बतौर मुख्य अतिथि महात्मा ज्योतिबा फूले के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन व पुष्प अर्पित कर किया। इस मौके पर आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुये उन्होंने कहा कि फूले दंपति ने कुरीतियों की जड़ में फंसे भारतीय समाज को मुख्य धारा में लाने का कार्य किया। जहाँ महात्मा ज्योतिबा फूले को समाज की विभिन्न विषमताओं से संघर्ष के लिये याद किया जाता है। वहीं माँ सावित्री बाई का जो योगदान स्त्री एवं बालिका शिक्षा को आगे बढ़ाने में है, उसे भुलाया नहीं जा सकता। कुल मिलाकर दोनों का संघर्ष 21 वीं सदी के नये भारत के निर्माण में मील का पत्थर है। 19 वीं सदी में उन्होंने जो प्रयास किये वो आज रंग ला रहे है। कार्यक्रम में शिरकत करते हुये भाजपा जयपुर देहात उत्तर के जिलाध्यक्ष सुरेश बादलीवाल ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा व सावित्री बाई के संघर्ष ने आधुनिक भारत की नींव तैयार की है। समाज के हाशिये पर रहने वाला तबका आज मुख्य धारा में शामिल होकर निरन्तर आगे बढ़ रहा है। समारोह की अध्यक्षता करते हुये सभापति प्रतिनिधि पुष्पा सैनी ने फूले दंपति को जल्द से जल्द भारत रत्न दिये जाने की मांग की। संचालन प्रमोद गुरूजी ने किया। सभी अतिथियों का माल्यार्पण व प्रतीक चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। आगन्तुकों ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। इस मौके पर पूर्व चैयरमैन प्रकाश चंद सैनी व एड. महेन्द्र कुमार सैनी, सैनी सभा प्रमुख रामावतार सैनी, महात्मा ज्योतिबा फूले समिति अध्यक्ष हनुमान सैनी, फल-सब्जी मंडी अध्यक्ष रमेश सैनी, पूर्व अध्यक्ष राकेश सैनी व बिड़दीचंद हवलदार, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष एड. उदयसिंह तंवर, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, कन्हैया लाल सैनी, श्रीराम टमाटर वाले, जगदीश सैनी, ख्यालीराम, सुगन भाई, महेश मीणा, प्रो. आर.पी.गुर्जर, पूर्व पार्षद भीखाराम सैनी, जिला पार्षद मंजू रावत, भाजपा नगर मण्डल अध्यक्ष अरूण सैनी, भाजपा नेता इंजी. विक्रम कसाना, एड. कमल कसाना, पंसस प्रतिनिधि एड. वीरू कसाना, शशि मित्तल, गोपाल मोरीजावाला, कांग्रेस नेता तारा पूतली, युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव प्रदीप पूतली, शिक्षाविद् पूरण कसाना, अशोक सिंह, पार्षद राकेश सैनी, रमेश सैनी, विष्णु सिंह भाटी, रघुवीर गोयल, रामेश्वर सैनी, कपिल चौहान, कृष्ण कारोडिया, उमेश आर्य, लालचंद सैनी, रोहिताश सैनी, एड. योगेश सैनी, रामसिंह सैनी, जगदीश खेमजी, रामकरण सैनी, कैलाश सैनी, रमेश सैनी, पूर्व पार्षद राजेन्द्र सैनी, बलेसिंह सैनी, बंटी सैनी, मोनू सैनी, महावीर सांखला, छीत्तरमल सैनी, प्रकाश तौंदवाल, प्रहलाद सैनी, नत्थु अमीन, रणजीत सैनी, नरेश कुमावत, विजय बिजवाडिया, सचिन यादव समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

करंट से झुलसे लाइनमैन की मौत, आश्वासन पर धरना खत्म

जोधपुर

जोधपुर डिस्कॉम के लिए काम करने वाली फॉल्ट रेक्टिफिकेशन टीम (एफआरटी) का एक लाइनमैन बुधवार देर रात डिस्कॉम की लापरवाही के चलते करंट से झुलस गया। इलाज दौरान एम्स में मौत हो गई। इससे आहत परिजन और समाज के लोग एम्स मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। डिस्कॉम अधिकारियों और ठेकेदार से वार्ता में मदद का ठोस आश्वासन मिलने के बाद परिजनों ने धरना खत्म कर दिया। अब बासनी पुलिस शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंपने की कवायद में जुटी है। बासनी पुलिस ने बताया- कुड़ी भगतासनी सेक्टर 8 निवासी ओमप्रकाश सुथार की ओर से रिपोर्ट दी गई है। इसमें सुथार ने बताया-उनका बेटा गणपत सुथार 9 अप्रैल की देर शाम करीब साढ़े सात बजे बासनी इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित शर्मा इंडस्ट्रीज के पास गली संख्या 4 में बिजली का काम कर रहा था। इस दौरान उसे करंट लगा। तब उसे एम्स में भर्ती कराया गया। यहां इलाज के दौरान करीब दो घंटे बाद मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार- गणपत सुथार कॉल सेंटर से फॉल्ट की सूचना मिलने के बाद टीम के साथ वहां पहुंचा था। फॉल्ट दूर करने से पहले उसने शट डाउन लिया, लेकिन डिस्कॉम के शटडाउन करने वाली टीम की गलती से वह करंट की चपेट में आ गया। इस संबंध में डिस्कॉम अधिकारियों ने जांच का भरोसा दिया है।

सीकर में स्कॉर्पियो-हुंडई की टक्कर में महिला की मौत

सीकर

सीकर के रानोली में रॉन्ग साइड से जा रही स्कॉर्पियो गाड़ी ने सामने से आ रही हुंडई द्व10 गाड़ी को टक्कर मार दी। जिसमें महिलाओं सहित 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को पलसाना सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार, सुबह करीब 11 बजे रानोली में पुलिस थाने के सामने रॉन्ग साइड से जयपुर से सीकर की तरफ आ रही तेज स्पीड की स्कॉर्पियो गाड़ी ने द्व10 हुंडई गाड़ी को टक्कर मार दी। हुंडई गाड़ी जयपुर की तरफ जा रही थी। दोनों वाहनों में यू टर्न कट के पास भिड़ंत हुई। इस घटना में हुंडई गाड़ी में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि एक महिला के मौके पर ही मौत हो गई। आस-पास के लोगों ने घायलों को 108 एम्बुलेंस के जरिए पलसाना ट्रॉमा सेंटर में पहुंचाया। जहां महिला ने दम तोड़ दिया। मृतका महिला की पहचान बेबी बानो (47) के रूप में हुई है। वहीं घायल हुए अल्फेज (12), कासम (50), शाहीना (11), मुबारिक अली (25) का पलसाना में इलाज चल रहा है। सभी घायल झोटवाड़ा जयपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क में से हटाया।

जिला कलक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक हीट वेव से बचाव के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए गए प्रबंधन की समीक्षा की

मरुधर विशेष

रेखब चन्द शर्मा संवाददाता डीग, । जिला कलक्टर उत्सव कौशल ने कहा कि आगामी ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत सम्बंधित विभाग अपनी तैयारियां पूरी रखे। उन्होंने कृषि उपज मंडी, मनरेगा कार्य स्थल, शैक्षणिक संस्थान, बस स्टैंड, गौशाला, आंगनवाड़ी, पर्यटन स्थल आदि सार्वजनिक स्थलों पर पीने का पर्याप्त पानी, छायादार शेड, ओआरएस आदि आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गर्मी के मौसम में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए पेड़ों एवं अन्य स्थानों पर परिंडे बांधने की भी बात कही गई।

मनरेगा श्रमिकों एवं निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रय स्थल

बैठक में जिला कलेक्टर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनवाड़ियों में ओआरएस पैकेट, आवश्यक दवाएं, आईस पैक आदि का स्टॉक रखें। गर्मी की लहर से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विशेष एसी वार्ड समर्पित किया जाए। जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रारंभिक चेतावनी प्रसार की निगरानी की जाए। ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश एवं प्रशिक्षण के साथ ही गर्मी की लहर के कारण मृत्यु दर और मृत्यु की रुग्णता की निगरानी और रिपोर्टिंग की यथार्थता से पालना सुनिश्चित किया जाए। पंचायती राज विभाग को ग्रामीण विकास और श्रम एवं रोजगार विभागों के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों एवं निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रय स्थापित करने और उनके काम के घंटे को पुनः निर्धारित करने के निर्देश दिए।

अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए

लू प्रभावित क्षेत्रों मोहल्लों में पेयजल सुविधा की व्यवस्था, पार्क, बस स्टैंड, पर्यटन स्थल एवं खुले क्षेत्र में छाया सुनिश्चित करने के साथ ही सभी क्षेत्रों मे विशेषकर अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं श्रम विभाग को गर्मी की लहर से संबंधित बीमारियों के संबंध में निर्माण, उद्योग एवं वाणिज्य अधिकारों के साथ प्रशिक्षण करने, चरम गर्मी के घंटे से बचने के लिए काम के समय पर सलाह जारी करने, स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए गए। कृषि एवं पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया कि वह शीत भंडारण सुविधाएं उपलब्ध करने के साथ सार्वजनिक खरीद के लिए मंडियों बाजारों में शीघ्र आवाजाही सुनिश्चित करें और गर्मी के कारण न्यूनतम फसल क्षति हो। पशुओं पर गर्मी के प्रभाव और उससे निपटने के तरीकों के बारे में जागरूकता, पशु चिकित्सा दवाइयां, पीने के पानी एवं आश्रय स्थल की व्यवस्था करने की बात कही गई।

अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए स्कूल का समय किया जा सकता है पुनः निर्धारित

शिक्षा क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए स्कूल का समय पुनः निर्धारित करने, स्कूल जल्दी शुरू करने और दोपहर में पहले बंद करने की बात कही गई। वहीं सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में पेयजल स्टेशन, कियोस्क, शेड की स्थापना, बाहरी शारीरिक गतिविधियों से बचाव के लिए कहा गया है। इस दौरान जिला कलेक्टर ने विद्युत विभाग द्वारा बिजली आपूर्ति के बारे में भी जानकारी ली। श्री कौशल ने विशेष रूप से मेंटेनेंस के लिए काटी जा रही बिजली के बारे में विभागीय अधिकारी से पूछा। अधिकारी द्वारा बताया गया कि अप्रैल माह में ही मेंटेनेंस का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके बाद आमजन को निर्बाध बिजली उपलब्ध करवाई जा सकेगी।

अजमेर में पत्नी ने दिव्यांग-प्रेमी से करवाई पति की हत्या

मर्डर की बात सुनकर डरा तो शराब पिलाने का आइडिया दिया, स्कूटी से फरार हुए दोनों

अजमेर

पत्नी ने अपने दिव्यांग प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। दिव्यांग प्रेमी पहले तो अकेले हत्या करने से डरता रहा, लेकिन पत्नी ने उसे शराब के नशे में हत्या करने का आईडिया दिया। इसके बाद प्रेमी ने पहले अपनी प्रेमिका के पति के संग बैठकर शराब पी और छुरी से गला काट दिया। शातिर पत्नी ने पुलिस ने बचने के लिए पहले से दर्ज एक मारपीट के मामले में नामजद युवक को इस हत्या में फंसाने का प्लान बना रखा था। लेकिन, पुलिस ने 4 टीमें बनाकर हत्या की वारदात का खुलासा कर दिया और दोनों को स्कूटी से फरार होते हुए दबोच लिया। मामला अजमेर के नसीराबाद सदर थाना इलाके की मंगलवार सुबह की है। पुलिस ने गुरुवार को वारदात का खुलासा कर दिया। एसपी वंदिता राणा ने बताया कि मस्तान (42) की हत्या के आरोप में उसकी पत्नी जनता (29) और उसके प्रेमी बशीर खान (29) को गिरफ्तार कलिया है। पुलिस ने दोनों को स्कूटी पर फरार होते वक्त बीच रास्ते में पकड़ लिया। एसपी ने बताया- 8 अप्रैल 2025 को सुबह 7.55 पर नसीराबाद सदर थाने में सूचना मिली कि हाउसिंग बोर्ड से आगे राजोसी रोड पर एक डेड बॉडी पड़ी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो एक युवक की लाश पड़ी हुई थी। बॉडी के शिनाख्त के प्रयास किए गए तो लोगों ने बताया कि लाश मस्तान पुत्र दिलावर चीता नाम के व्यक्ति की है। एसपी ने बताया कि बशीर नसीराबाद में ई-मित्र संचालक है। उसका मस्तान की पत्नी जनता से करीब 1 साल से अफेयर चल रहा था। मस्तान दोनों के बीच रुकावट बन रहा था। ऐसे में दोनों ने उसके ठिकाने लगाने की सोची। पूछताछ में खुलासा हुआ कि नसीराबाद सदर थाने में जनता ने स्वयं के साथ एक युवक रंजीत और अन्य द्वारा मारपीट करने के मामला दर्ज करवा रखा था। इसके रंजीत और जनता के परिवार में आपसी रंजिश थी। जनता ने इसका फायदा उठाने की सोची और बशीर से कहा कि पति मस्तान की हत्या करने के बाद पुलिस अधिकारियों से कह देंगे कि उसे (जनता) जान-माल का खतरा है। ऐसे में, शक रंजीत पर जाएगा और मस्तान और जनता बच निकलेंगे। एसपी ने बताया कि आरोपी बशीर दिव्यांग होने के कारण अकेले हत्या करने से घबरा रहा था लेकिन, जनता ने उसे आईडिया दिया कि शराब पिला कर मारने में आसानी होगी। इसके बाद साजिश के तहत 7 अप्रैल को मस्तान शाम को घर पर आया तो जनता ने उसे बशीर के साथ पार्टी करने और रुपए लेकर आने की बात कही। इसके बाद बशीर और मस्तान ने साथ में हाउसिंग बोर्ड के एक खंडहर में शराब पी। जब मस्तान अपने होश में नहीं रहा तब बशीर ने अपनी जेब से छुरी निकाल कर मस्तान का गला रेत दिया। इसके बाद अपनी 4 पहियों वाली स्कूटी पर बैठकर जनता को लेकर फरार हो गया।

जिला कलक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

हीट वेव से बचाव के लिए विभिन्न विभागों द्वारा किए गए प्रबंधन की समीक्षा की

मरुधर विशेष

संवाददाता सलीम खान डीग, । जिला कलक्टर उत्सव कौशल ने कहा कि आगामी ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत सम्बंधित विभाग अपनी तैयारियां पूरी रखे। उन्होंने कृषि उपज मंडी, मनरेगा कार्य स्थल, शैक्षणिक संस्थान, बस स्टैंड, गौशाला, आंगनवाड़ी, पर्यटन स्थल आदि सार्वजनिक स्थलों पर पीने का पर्याप्त पानी, छायादार शेड, ओआरएस आदि आवश्यक सुविधाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। गर्मी के मौसम में पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए पेड़ों एवं अन्य स्थानों पर परिंडे बांधने की भी बात कही गई।

मनरेगा श्रमिकों एवं निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रय स्थल

बैठक में जिला कलेक्टर ने चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्वास्थ्य केंद्रों और आंगनवाड़ियों में ओआरएस पैकेट, आवश्यक दवाएं, आईस पैक आदि का स्टॉक रखें। गर्मी की लहर से संबंधित किसी भी स्थिति से निपटने के लिए विशेष एसी वार्ड समर्पित किया जाए। जिला अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रारंभिक चेतावनी प्रसार की निगरानी की जाए। ग्राम स्तर तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश एवं प्रशिक्षण के साथ ही गर्मी की लहर के कारण मृत्यु दर और मृत्यु की रुग्णता की निगरानी और रिपोर्टिंग की यथार्थता से पालना सुनिश्चित किया जाए। पंचायती राज विभाग को ग्रामीण विकास और श्रम एवं रोजगार विभागों के सहयोग से मनरेगा श्रमिकों एवं निर्माण श्रमिकों के लिए विशेष आश्रय स्थापित करने और उनके काम के घंटे को पुनः निर्धारित करने के निर्देश दिए।

अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए

लू प्रभावित क्षेत्रों मोहल्लों में पेयजल सुविधा की व्यवस्था, पार्क, बस स्टैंड, पर्यटन स्थल एवं खुले क्षेत्र में छाया सुनिश्चित करने के साथ ही सभी क्षेत्रों मे विशेषकर अनौपचारिक बस्तियों में पानी की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं श्रम विभाग को गर्मी की लहर से संबंधित बीमारियों के संबंध में निर्माण, उद्योग एवं वाणिज्य अधिकारों के साथ प्रशिक्षण करने, चरम गर्मी के घंटे से बचने के लिए काम के समय पर सलाह जारी करने, स्वास्थ्य विभागों के सहयोग से विशेष रूप से अनौपचारिक क्षेत्र बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर लगाने के निर्देश दिए गए। कृषि एवं पशुपालन विभाग को निर्देशित किया गया कि वह शीत भंडारण सुविधाएं उपलब्ध करने के साथ सार्वजनिक खरीद के लिए मंडियों बाजारों में शीघ्र आवाजाही सुनिश्चित करें और गर्मी के कारण न्यूनतम फसल क्षति हो। पशुओं पर गर्मी के प्रभाव और उससे निपटने के तरीकों के बारे में जागरूकता, पशु चिकित्सा दवाइयां, पीने के पानी एवं आश्रय स्थल की व्यवस्था करने की बात कही गई।

अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए स्कूल का समय किया जा सकता है पुनः निर्धारित

शिक्षा क्षेत्र में अत्यधिक गर्मी से बचने के लिए स्कूल का समय पुनः निर्धारित करने, स्कूल जल्दी शुरू करने और दोपहर में पहले बंद करने की बात कही गई। वहीं सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में पेयजल स्टेशन, कियोस्क, शेड की स्थापना, बाहरी शारीरिक गतिविधियों से बचाव के लिए कहा गया है। इस दौरान जिला कलेक्टर ने विद्युत विभाग द्वारा बिजली आपूर्ति के बारे में भी जानकारी ली। श्री कौशल ने विशेष रूप से मेंटेनेंस के लिए काटी जा रही बिजली के बारे में विभागीय अधिकारी से पूछा। अधिकारी द्वारा बताया गया कि अप्रैल माह में ही मेंटेनेंस का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके बाद आमजन को निर्बाध बिजली उपलब्ध करवाई जा सकेगी।

लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स की नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

मरुधर विशेष

बहरोड़ । धर्मेन्द्र चर्खिया लायंस क्लब बहरोड़ किंग्स के द्वारा गुरुवार को दिल्ली जयपुर नैशनल हाइवे 48 स्थित निजी होटल मे नॉमिनेशन कमेटी ने प्रेस वार्ता कर आगामी कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमे वर्ष 2025-26 हेतु अध्यक्ष एम जे एफ लायन दिनेश अग्रवाल, सचिव लायन राहुल यादव व कोषाध्यक्ष लायन प्रवीण सैनी को मनोनीत किया गया । कमेटी के चेयरमैन कवित गुप्ता को चेयरमैन प्यारेलाल सैनी सदस्य, एम जे एफ प्रमोद अग्रवाल , राकेश रोहिल्ला , राकेश अग्रवाल ने अपने अधिकारो का प्रयोग कर यह घोषणा की । निर्वाचित अध्यक्ष लायंस दिनेश अग्रवाल ने कहा सभी के साथ मिलकर सेवा के क्षेत्र में क्लब को नई ऊंचाइयों तक ले जाना ही एक मात्र लक्ष्य । इस अवसर पर वर्तमान अध्यक्ष मुकेश यादव, प्रदीप यादव ,नवीन गोयल, उमेश यादव, मनोज अग्रवाल, राजेश सैनी, राकेश गोयल, बुद्धसिंह यादव ,आलोक अग्रवाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे ।

बडोदिया में भगवान महावीर स्वामी जयन्ति पर निकली शोभयात्रा

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: बडोदिया में श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर बडोदिया में प्रातः श्रीजी का जलाभिषेक जैनम जैन, मितेश जैन, अनुप जैन पुत्र रमेश चंद्र जैन परिवार ने किया । जिसके उपरांत भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा को गंधकुटी में विराजमान कर गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई । जो नई आबादी पर अम्रतलाल खोडणिया के निवास पर पहुंची जहां पर सभी को जलपान कराया गया । वहां से शोभायात्रा शिव मंदिर परिसर पर पहुंची जहां भगवान श्री महावीर स्वामी की सामुहिक रूप से पूजन की गई तथा आर्यन तलाटी पुत्र अल्पेश तलाटी परिवार द्वारा आरती की गई । फुलमाला की बोली लेने वाले पूण्यार्जक परिवार दीपक जैन पुत्र कांतिलाल जैन परिवार के यहां पर प्रभावना वितरण का आयोजन किया गया । सांय जिन मंदिरजी में सचिन जैन पुत्र धनपाल जैन परिवार द्वारा महाआरती तथा विनित तलाटी पुत्र पवन तलाटी परिवार ने भगवान के जन्म कल्याणक का झुला झुलाने का पुण्यार्जन प्राप्?त किया । संचालन आशिष भैया तलाटी ने किया ।

महावीर जन्म कल्याण भव्य जल यात्रा निकाली गई बड़े उत्साह के साथ समाज जनों ने भाग लिया

बड़ी संख्या में पुरुष सफेद परिधान में महिलाएं केसरिया लाल परिधान में उद्घोष करती हूं चल रही थी

जैन समाज ने अपने व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखें

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: नगर में भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याण दिवस धूमधाम से मनाया गया। दिगंबर समाज वह श्वेतांबर जैन समाज अपने लूट पृथक जुलूस वर घोड़ा निकाला प्रात 5:00 बजे 20 पंक्ति मंदिर से पाठशाला के बच्चों बच्चों ने पंडित अर्पित शास्त्री के निर्देशन पर आकर्षक झाकिया बनाई के नेतृत्व में प्रभात फेरी निकली जो नगर के प्रमुख मार्ग में निकली जहां जय घोष करती हुई यह प्रभात तेरी मंदिर की पहुंची प्रातः 8:00 बजे से दिगंबर समाज को तेरा पंथी समाज का सामूहिक श्रीजी यात्रा निकल गई जहां घोड़ा बैंड के साथ चल समारोह में जैन धर्म के मूल सिद्धांतों को दर्शाती

जीवंत झाकियां सम्मिलित थी। नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई निकली जहां श्री जी के समाज जनो ने दर्शन किए और सामूहिक रूप से त्रिशला नंदन वीर की जय बोलो महावीर के उद्घोष करते हुए चल रहे थे और महावीर स्वामी के जयकारों के साथ यह श्रीजी यात्रा नसिया जी पहुंची जहां धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए समाज का दोनों समय स्वामी वात्सल्य रखा गया। दिगंबर समाज के अध्यक्ष जयंतीलाल सेठ महामंत्री हसमुखलाल सेठ अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रातः 9 बजे केसरिया राज मंदिर से मूर्ति पूजक और स्थानकवासी श्री संघ का चल समारोह निकाला गया। जो नगर के प्रमुख मार्गो से होता हुआ निकाला जहां जगह-जगह समाज जनों ने गवली की अनु संस्कार पाठशाला के बाल को बालिकाओं ने नाटक मनच्चन किया। यह चल समारोह मंदिर पहुंचा समाज के अध्यक्ष संघवी कमलेश कावड़िया उपाध्यक्ष रमेश गादीया

स्थानकवासी श्री संघ के अध्यक्ष रजनीकांत खाबरिया उपाध्यक्ष अरुण कावड़िया प्रशांत नाहटा राजेंद्र दोषी पारसमल मेहता मुकेश लुणावत राजेंद्र गादीया राजेंद्र मेहता पंकज लुणावत अशोक श्रीमार सहित कई समाज जन मौजूद थे। जहां धार्मिक अनुष्ठानसंपन्न हुए रिद्धेश कावड़िया के परिजनों द्वारा मुंडन संस्कार पर स्वामी वात्सल्य का आयोजन किया गया। जहां अरुण भाई प्रवीण भाई मनोहर लाल कावड़िया परिवार का बहुमांन किया गया।

बीस पंथी दिगम्बर जैन समाज का भव्य जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बीस पंथी जैन नसियाजी पहुंचा

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: बीस पंथी समाज अध्यक्ष जयंतीलाल सेठ ने बताया कि आज प्रातः दिगंबर जैन समाज द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई तत्पश्चात मंदिर जी से जुलूस निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। यह भव्य जुलूस नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बीस पंथी जैन

नसियाजी पहुंचा। वहां पर समस्त समाज द्वारा कलशों से अभिषेक, शांति धारा ,पूजन तथा आरती का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ संपन्न हुआ। श्री जी पर अभिषेक का लाभ हंसमुखलाल सेठ परिवार, पारस सिंघवी , निर्मल धीरावत , निलेश कोठारी, राजमल सिंघवी , महावीर शाह ने लिया। रात्री में बीस पंथी जैन पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया जिसमें सभी वर्ग के बच्चों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। आज सम्पूर्ण देश में भगवान महावीर स्वामी की जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जा रही है। यह शुभ दिन जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर, भगवान महावीर के जन्म दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जीवन अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, अस्तेय और ब्रह्मचर्य जैसे सिद्धांतों का प्रतीक रहा है, जो आज भी मानवता के लिए एक प्रेरणा हैं।महावीर स्वामी ने "अहिंसा परमो धर्मः" का संदेश देकर समाज को करुणा, सहिष्णुता और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का मार्ग दिखाया। उनके विचार न केवल जैन समुदाय बल्कि सम्पूर्ण मानव समाज के लिए कल्याणकारी हैं।

महावीर जयंती बड़े हर्ष उल्लास के साथ मनाई

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: नोगामा में महावीर जयंती के उपलक्ष में आज प्रातः आदिनाथ मंदिर 1008 भगवान महावीर समवशरण मंदिर, सुखोदय तीर्थ नसियाजी में विशेष शांति धारा अभिषेक किया गया नसिया जी मैं भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का अभिषेक शांति धारा की गई अभिषेक के पश्चात विशाल शोभा यात्रा श्री जी को गंनगोटी मैं विराजमान कर बैंड बाजो के साथ विशाल शोभा यात्रा नगर भमण को निकली समशरण पर पहुंची जहां पर महिलाओं द्वारा मंदिर परिसर में गरबा नृत्य किया शोभा यात्रा में भगवान महावीर के जय करो के साथ सुखो तीर्थ पहुंची यहां पर भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा का अभिषेक शांति धारा के बाद भगवान महावीर स्वामी की पूजन बड़े भक्ति भाव से वाद्य यंत्रों

के मधुर स्वरों के साथ महिला मंडल के द्वारा अष्ट द्रव्य के थाल सजाकर की गई इस अवसर पर पालना झूलन का सौभाग्य नानावटी सुभाष चंद्र, पवित्र मती ग्रुप एवं महा आरती का सौभाग्य पवित्र मति स्वाध्याय मंडल को प्राप्त हुआ, इस अवसर पर मानसस्तंभ पर धर्म ध्वजा चढ़ाने का सौभाग्य गांधी रमनलाल मोतीलाल को प्राप्त हुआ इस अवसर पर आसपास के गांवो की तीर्थ यात्रियों का आगमन हुआ सभी पधारे हुए धर्म प्रेमी बंधुओ के लिए स्नेह भोज की व्यवस्था की गई थी इस अवसर पर जैन पाठशाला के छात्र-छात्राओं ने बड़े भक्ति भाव से मनीषा नानावटी के दिशा निर्देशन में कार्यक्रम प्रस्तुत किऐ , वीना दीदी द्वारा भगवान महावीर के सिद्धांतों पर मंगल प्रवचन किया कार्यक्रम का संचालन पंडित रमेश चंद्र गांधी भरत पंचोरी द्वारा किया गया आभार की रस्म कोषाध्यक्ष रमनलाल जैन द्वारा की गई उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई

पुलिस अधिकारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित

एसपी ने पेंडिग प्रकरणों का निस्तारण कर विभिन्न प्रकरणों में वांछित अपराधियों की धरपकड़ कर गिरफ्तार करने के दिये निर्देश

मरुधर विशेष

कोटपूतली, कस्बे के पूतली रोड़ श्री दुर्गा माता मंदिर के सामने स्थित जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में गुरूवार को एसपी राजन दुष्यंत की अध्यक्षता में पुलिस अधिकारियों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें एसपी राजन दुष्यंत ने पेंडिग प्रकरणों का अधिक से अधिक निस्तारण कर पेंडेंसी कम करने, दुपहिया व चौपहिया वाहन चोरी के संबंध में नाबालिग बच्चों के अपहरण/व्यपहरण के पेंडिग प्रकरणों के निस्तारण, पेंडिग एमपीआर के निस्तारण, एम.वी.एक्ट के तहत संचालित अभियान, रेंज स्तरीय अभियान "आपरेशन क्लीन स्वीप, "विशेष अभियान खुशी-इक्स" के संबंध में प्राथमिकता के आधार पर शीध्र निस्तारण करने, आपराधिक प्रवृति के अपराधियों को चिन्हित कर गुण्डा एक्ट व राजपासा

के तहत प्रभावी कार्यवाही करने तथा विभिन्न प्रकरणों में वांछित अपराधियों की धरपकड़ कर उन्हें गिरफ्तार करने के निर्देश दिये। एनडीपीएस एक्ट एवं 1930 पोर्टल के पेंडिग परिवादों के निस्तारण, साईबर अपराध की तुलनात्मक स्थिति की समीक्षा करते हुये उक्त अपराधों में कमी लाने के निर्देश दिये। सोशियल मीडिया पर अवैध हथियारों के साथ पोस्ट करने वाले असामाजिक तत्वों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जिले के समस्त थानाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में रात्रि गश्त, नाकाबंदी व चैकिंग को बढ़ाया जाकर सम्पति संबधी अपराध के प्रकरणों में सफलता हांसिल करने के निर्देश प्रदान किये। वहीं एसपी ने कानुन व्यवस्था के संबध में चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में कोटपूतली एएसपी वैभव शर्मा, नीमराणा एएसपी शालनी राज, कोटपूतली डीएसपी राजेन्द्र बुरड़क, नीमराणा डीएसपी सचिन शर्मा, बहरोड़ डीएसपी कृतिका, विराटनगर डीएसपी शिप्रा राजावत एवं जिले के समस्त थानाधिकारी मौजूद रहे।

अक्षय तृतीया पर 15 जोड़े विवाह सूत्र में बंधेंगे

मरुधर विशेष

अरुण जोशी ब्यूरो चीफ बांसवाड़ा कुशलगढ़: समस्त ब्राह्मण एवं सर्व समाज सामूहिक विवाह समिति के संत एच आर पालीवाल द्वारा आगामी 30 अप्रैल अक्षय तृतीया पर 11वां सामूहिक विवाह समस्त ब्राह्मण एवं सर्व समाजो का कराया जा रहा है। जिसमें 15 जोड़े विवाह सूत्र में बंधने जा रहे हैं। समिति की व्यवस्थापिका प्रेम लता पालीवाल ने बताया कि समस्त ब्राह्मण के 7 जोड़ो के साथ 8 जोड़े सर्व समाज के शामिल किये गये हैं। कुल 15 जोड़े विवाह सूत्र में बंधने जा रहे हैं। इन जोड़ो को समिति के जिला अध्यक्ष कपिल अग्रवाल व देहात अध्यक्ष हेमन्त सालवी द्वारा एक एक कन्वर्टेड प्लांट व उपाध्यक्ष सतीश सिंह भाटी एवं दिलीप परिहार द्वारा 6म4 के पेटी वाले एक एक पलंग उसके ऊपर एक एक गद्दा तथा समिति द्वारा एक एक इलेक्ट्रिक स्कूटी, फर्नीचर व रसोई बर्तन गिफ्ट उपहार स्वरूप दिए जाएंगे। उक्त आयोजन मे सामूहिक विवाह सूत्र में बंधने वाले सभी जोड़ो को राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा एससी व एसटी के प्रति जोड़ो को 50 हजार रुपये व महिला अधिकारिता विभाग द्वारा जनरल सभी जोड़ो को 21 हजार रुपए नियमानुसार अनूदान द्धदेना प्रस्तावित है।जिसके लिए मेरिज प्रमाण पत्र व अन्य कागजात ओनलाइन आवेदन कर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं।महिला अध्यक्ष पूर्णिमा व्यास के अनुसार संत पालीवाल के आग्रह पर शिवम शर्मा, प्रकाश भावसार, प्रवीण व्यास, खुशवंत पालीवाल, अंजना पालीवाल, नेहा भारद्वाज, महर्षि सारस्वत, ओमप्रकाश नंदवाना, राम लाल नकवाल, हीरा भाई चंदानी, अर्जुन रंगवानी , नाथूलाल शर्मा, रणवीर मिश्रा, देवीलाल दाणा व कैलाश वैष्णव अपने अपने क्षेत्रों में प्रचार प्रसार कर रहे हैं। उक्त जानकारी समिति के बांसवाड़ा प्रभारी नवनीत त्रिवेदी ने दी।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा का ईद मिलन समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन, कामां विधायक नौक्षम चौधरी ने मुख्यातिथि के तौर पर की शिरकत,

मरुधर विशेष

पहाड़ी डीग संवाददाता आबिद खान कैथवाड़ा पहाड़ी क्षेत्र के कैथवाड़ा में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा की तरफ से ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें कामां विधायक नौक्षम चौधरी ने मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत की जहां विधायक नौक्षम चौधरी ने सभी को ईद मिलन समारोह की मुबारकबाद एंव शुभकामनाएं दी विधायक नौक्षम चौधरी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा बृज मेवात को जो भाई चारा गंगा जमनी तहजीब के लिए जाना जाता है विधायक ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पूरे देश मे ईद के त्योहार पर सौगाते मोदी कार्यक्रम चलाया गया था जिसमें करीब 35 लाख किट पूरे देश मे जरूरत मंदों को वितरण कराई गई है विधायक नौक्षम ने कहा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का दिया धन्यवाद। इस दौरान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हामीद खान मेवाती, शिवानी दायमा जिला अध्यक्ष, हंसिका गुर्जर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष, याकूब खान अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष कैथवाड़ा सरपंच नोमान खान सहित भाजपा के अन्य नेता मौजूद रहे।

अलवर में नवसृजित ग्राम पंचायत बलदेवपुरा पर ग्रामीणो ने कराई आपत्ति दर्ज

बमनपुरा को पंचायत मुख्यालय बनाने को लेकर जिला कलेक्टर को दिया गया

ग्राम वासियों की मांग पर जिला प्रमुख ने एसडीएम कठूमर को लिखा पत्र

मरुधर विशेष

दिनेश लेखी कठूमर। नवगठित ग्राम पंचायत बलदेवपुरा में ग्राम राजपुर, बलदेवपुरा, जोधपुरा एंव बमनपुरा को मिलाकर ग्राम पंचायत नवसृजित की गई है जिस पर बमनपुरा के ग्राम वासियों ने गुरूवार को वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा, अलवर जिला कलेक्टर, जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर को ज्ञापन सौंपा। ग्राम वासियों की मांग पर जिला प्रमुख बलवीर छिल्लर ने उपखंड अधिकारी को पत्र लिखकर ग्राम पंचायत मुख्यालय बमनपुरा बनाने की सिफारिश की है।

वही ग्रामवासियों ने ज्ञापन में आरोप लगाया है कि बलदेवपुरा को पंचायत मुख्यालय बनाना केवल व्यक्ति विशेष को राजनैतिक फायदा पहुँचाने के लिये बलदेवपुरा को ग्राम पंचायत

मुख्यालय गठित किया है जो अनुचित है। जबकि ग्राम बमनपुरा की आबादी 2011 की जनगणना अनुसार 1287 है और बलदेवपुरा की 2011 की जनगणना के अनुसार 588 है। वही बताया कि ग्राम बमनपुरा में 16 वीघा से अधिक सरकारी जमीन होने के कारण ग्राम पंचायत के अधीन आने वाले कार्यालय निर्माण में आसानी रहेगी। दूसरी ओर बलदेवपुरा में इन सभी कार्यालयों के निर्माण हेतु कोई खाली जमीन या सरकारी जमीन उपलब्ध नहीं है, बलदेवपुरा में केवल गुर्जर समाज के ही लोग निवास करते है जबकि बमनपुरा में सभी जातियों जैसे ब्राहमण, जाट, यादव, गुर्जर, हरीजन, मीना, नाई, कुम्हार, वैश्य निवास करते है।

ग्रामीण आरोप लगाया कि बलदेवपुरा से तीन गुणी जनसंख्या होने के बाद भी बमनपुरा को ग्राम पंचायत मुख्यालय गठित करने में अगर कोई समस्या आती है तो ग्राम बमनपुरा को पूर्व ग्राम पंचायत तिगरिया में ही यथावत रखने की मांग की है। इस मौके पर सरपंच शीला राजेश गुर्जर, राम सिंह चौधरी, खुशीराम चौधरी, परमसुख चौधरी, सतीश यादव, बाल्या राम यादव, मनाराम प्रजापत, सतीश व्यास, खुशीराम चौधरी, निहाल सिंह गुर्जर, मंतूराम गुर्जर, शिवराम गुर्जर, महाराज सिंह गुर्जर, बल्ली गुर्जर, मेंबर धनीराम गुर्जर, राधेश्याम गुर्जर, दौली चौधरी, कमल सिंह यादव, दौली सेन, प्रकाश चौधरी, सीताराम चौधरी, भरत चौधरी, रामदयाल चौधरी, नेतराम वैद्य, राजू चौधरी, श्यामलाल गुप्ता, पप्पू राम हरिजन, रामबाबू मीणा मौजूद थे।

आखा तीज पर बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन नें चलाया जागरूकता अभियान

मरुधर विशेष

सुनीता सैनी बावल बावल संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी की टीम नें नाबालिक लडके लड़कियो के विवाह क़ो रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाया दरगाह चर्चा मंदिर मस्जिदों मे होने वाले विवाह क़ो लेकर विभाग सतर्क हो गया हैं बाल विवाह निषेध की टीम नें बावल नगरपालिका मे पार्षद क़ो शपथ दिलाई और कहाँ कही भी ऐसे विवाह होने पर विभाग क़ो जानकारी दी जायगी विभाग से प्रमोद बागड़ी बिजेन्दर नें बताया की नाबालिक लडके लड़कियो का विवाह क़ानून अपराध हैं सरकार दुवारा विवाह के लिए आयु निर्धारित की गई हैं उन्होंने बताया की आखा तीज से शुरू होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम क़ो लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया हैं जिसके लिए विभाग नें मंदिरो मस्जिदों चर्च गुरुदवारे मे होने वाले वैवाहिक कार्यक्रम क़ो लेकर जागरूकता अभियान चलाया हैं प्रमोद बागड़ी नें बताया जागरूक लोगो प्रशासन का सहयोग करना चाहिए बाल विवाह क़ानून अपराध हैं सरकार दुवारा शादी की निर्धारित आयुसीमा मे विवाह करना चाहिए जिससे विवाहिक जीवन सफल हो सके इसके लिए सभी लोग आसपास मे ऐसे कार्यक्रम की जानकारी विभाग से साझा करे इस अवसर पर प्रमोद बागड़ी इ एस आई बिजेंद्र मंजीता ममता मौजूद रहे

Marudharhind24 news Private Limited के लिए महारानी प्रिन्टर्स 17 वैष्णोदेवी नगर कालवाड़ रोड़ जयपुर से मुद्रित, एवं जीवन सिंह पुरा शाम्दा अलवर से प्रकाशित। मो. 9653906665, 7014373732